अभ्यासक्रम

अभ्यासक्रम	सेमेस्टर/कोर्स शुल्क	प्रवेश-पात्रता	अभ्यासक्रम की विशिष्टता
पीएच.डी.	10000/- (पुरुष) 7500/- (महिला)	अनुस्नातक (संस्कृत)	• गर्भशास्त्र जैसे अनछूए विषयों पर शास्त्रीय संशोधन • प्राचीन शास्त्र एवं भारतीय विज्ञान परंपरा के समन्वय से आधुनिक परिप्रेक्ष्य में संशोधन • साहित्य और मूल्याधारित विषयों पर संशोधन
एम.ए. संस्कृत गर्भ संस्कार शास्त्र	2250/- (पुरुष) 1800/- (महिला)	किसी भी विषय में स्नातक	• प्राचीन और आधुनिक शास्त्रो का समन्वय • कोई भी विद्याशाखा के स्नातक को प्रवेश • नेट/स्लेट के अभ्यासक्रम अनुसार शिक्षण-सज्जता • स्वतंत्र व्यवसाय आरंभ करने का मौका देता हुआ अभ्यासक्रम • तेजस्वी बालक : तेजस्वी भारत की संकल्पना को पूर्ण करता हुआ अभ्यासक्रम
गीता में शांतिप्रबंधन	1500/- (पुरुष) 1150/- (महिला)	कक्षा-10	• मानवमन का गीता के दृष्टिकोण से अभ्यास • वर्तमान समय में मानवमात्र के मानसिक क्षुब्धताओं से व्याप्त मन के समाधान के लिए गीता का अभ्यास
संस्कृत संभाषण	1500/- (पुरुष) 1150/- (महिला)	कक्षा-10	• इस वर्ग में भाग लेने हेतु संस्कृत का कोई पूर्व ज्ञान आवश्यक नहीं । • खेल, गीत, वार्ता और संवाद द्वारा शिक्षण • सरल भाषा में व्यावहारिक संस्कृत का शिक्षण
नीतिशतक में मूल्यशिक्षण	1500/- (पुरुष) 1150/- (महिला)	कक्षा-10	• मूल्यनिष्ठ एवं संस्कारलक्षी जीवन का पाथेय परोसता अभ्यासक्रम • नीति एवं प्रामाणिकता का मनुष्यजीवन में महत्त्व दर्शाता अभ्यासक्रम

अध्यापकवृंद

डॉ. राकेश पटेल
अध्यक्ष, संस्कृत विभाग
अभ्यास : एम.ए., पीएच.डी.
दूरभाष : ९४०८६४०९३०
इ-मेल : rakesh11051960@gmail.com

डॉ.भैरवी दीक्षित
आसिस्टन्ट प्रोफेसर
अभ्यास : एम.ए, बी.एड., पीएच.डी.
दूरभाष : ८१२८९८४२२८
इ-मेल : bhairavidixit@gmail.com

डॉ.जय ओझा
आसिस्टन्ट प्रोफेसर
अभ्यास : एम.ए, एम.फिल., बी.एड., पीएच.डी.
दूरभाष : ९८९८०४६४८८
इ-मेल : jayuoza@gmail.com

संपर्क

चिल्ड्रन्स युनिवर्सिटी
संस्कृत विभाग
सुभाषचंद्र बोझ शिक्षा संकुल
छ-५, चिल्ड्रन्स युनिवर्सिटी सर्कल के पास, सेक्टर-२०, गांधीनगर
Ph.079 - 23244569 | Email: hod.san@cugujarat.ac.in
Website: www.cugujarat.ac.in

॥ अनन्य: आनन्दरुप: अनन्त: अहम् ॥

Children's University
Every Child matters
तेजस्वी बालक : तेजस्वी भारत

चिल्ड्रन्स युनिवर्सिटी

गांधीनगर

संस्कृत विभाग

तेजस्वी माता : तेजस्वी बालक : तेजस्वी भारत

॥ प्रत्येकं बाल: महत्त्वपूर्ण: ॥

चिल्ड्रन्स युनिवर्सिटी के विषय में

गुजरात राज्य के गांधीनगर जनपद में 'चिल्ड्रन्स युनिवर्सिटी' की स्थापना सम्पूर्ण विश्व के धरातल पर घटित अद्वितीय घटना है । इसे अद्वितीय घटना कहना सर्वथा उचित इसलिए है कि विश्व के अन्य किसी भी विश्वविद्यालय में जन्म से पूर्व अर्थात् गर्भाधान से लेकर अठारह साल तक के तरुणों के विकास को ध्यान में रखते हुए कार्य नहीं किया जाता है । यह युनिवर्सिटी प्रत्येक बालक को केन्द्र में रखकर गर्भाधान संस्कार प्रक्रिया से ही गहन चिंतन करके श्रेष्ठ संतति का आहवान एवं अवतरण करने की दिशा में दंपतियों का मार्ग प्रशस्त करती है । यह युनिवर्सिटी प्रत्येक बालक को श्रेष्ठ मनुष्य के रूप में समाज को समर्पित करने का स्वप्न संजो रही है ।

इस विचार के स्वप्नद्दष्टा है हमारे परम आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रभाई मोदी । वे केवल स्वप्नदष्टा ही नहीं, अपितु मंत्रद्रष्टा भी है। उनके मन में एक अभूतपूर्व मंत्र का उद्भव हुआ "Every Child Matters" प्रत्येक बालक महत्त्वपूर्ण है । इस मंत्र का विस्तार युनिवर्सिटी के 'दर्शन' में रूपान्तरित हुआ । यह 'दर्शन' मा. श्री नरेन्द्रभाई मोदी के शब्दों में – "बालक का पालन पोषण ऐसी उष्मा, प्रेम एवं सावधानी से होना चाहिए जिससे वह शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, भावात्मक एवं आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ मानव के रूप में विकसित हो, एवं उसे आत्मसाक्षात्कार के अवसर प्राप्त हो सकें ।"

अपने लक्ष्य को सिद्ध करने हेतु चिल्ड्रन्स युनिवर्सिटी चार कार्यक्षेत्रों में सक्रिय है : (1) संशोधन (2) शिक्षा (3) प्रशिक्षा (4) विस्तरण । युनिवर्सिटी अपने भवनों व केन्द्रों द्वारा समग्र कार्ययोजना का संचालन कर रही है । बालक का सर्वक्षेत्रीय विकास तथा शिक्षा के महत्त्वपूर्ण आयामों पर अनुसंधान करने का कार्य चिल्ड्रन्स युनिवर्सिटी का केन्द्रबिन्दु है । भारतीय शिक्षादर्शन के अनुसार बालक की अवधारणा और पहचान से लेकर उसके आध्यात्मिक विकास तथा व्यावसायिक कौशलों के विकास तक के फलक को छोटे बड़े अनुसंधान में समाविष्ट किया जा रहा है, जो चिल्ड्रन्स युनिवर्सिटी की शिक्षाप्रेरक गतिविधियों के साथ गर्भनाडी की तरह जुड़ा है । गर्भस्थ शिशु से लेकर 18 वर्षीय तरुणों के विषय में किए गए अनुसंधान से निष्पन्न ज्ञानपीठिका पर अध्यापन पद्धति, प्रशिक्षा कार्यक्रम, परीक्षण, मूल्यांकन, सहशैक्षिक गतिविधियों इत्यादि की रचना की जा रही है । जिसको चिल्ड्रन्स युनिवर्सिटी द्वारा सरकारी शिक्षा संस्थाओं के माध्यम से पूरे गुजरात में लागू किया जाएगा । अतः अनुसंधान इस युनिवर्सिटी की आत्मा है । इसके द्वारा शिक्षा व्यवस्था में नूतन अभिगम का संचार होगा । बालक को किसी परिपाटी का साधन बनाने की बजाय उसका स्वयंसाध्य इकाई के रूप में एक स्वायत्त चैतन्यरुप में उसका प्रफुल्लन करना हमारा ध्येय है ।

संस्कृत विभाग के बारे में

प्रत्येक देश की अपनी सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है, जिसका भाषा के मूल के साथ अतूट संबंध होता है । संस्कृत भाषा भारत की सांस्कृतिक धरोहर है । संस्कृत जीवन-पद्धति सीखानेवाला उद्दिपक है । समकालीन परिस्थितियों में विश्व में प्राचीन साहित्य की विशेष गवेषणा है । हमारी यह देवभाषा में आंतर्राष्ट्रीय बौद्धिक युगो से उत्साहपूर्वक रस लेते आए हैं । संस्कृत विभाग चोसठ कलाओ में संशोधन के लिए, जीवन के आदर्श, मूल्यों और आध्यात्मिक सार को समजाने के लिए कटिबद्ध है ।

संस्कृत वेद, उपनिषद, स्मृति, संहिता, स्तोत्र, नीतिशास्त्र इत्यादि में दर्शाए गए माध्यम से समाज, राष्ट्र, विश्व, ब्रह्मांड तक की व्यक्ति से परमेष्टी तक की विकासयात्रा को प्रशस्त करना ही इस विभाग का ध्येय है ।

उपनिषद वैदिक दर्शन का सातत्यपूर्ण अनुसरण करनेवाला शास्त्र है, जो विज्ञान कि प्रायश: शाखाओं को प्रभावित करता है, जिसमें गर्भविज्ञान भी शामिल है । गर्भोपनिषदमें गर्भ की रचना, जीव का विकास इत्यादि का सविस्तर वर्णन किया गया है ।

संस्कृत विभाग का मुख्य ध्येय गर्भशास्त्र का अभ्यास करवाना, सोलह संस्कार के वैज्ञानिक अभिगम का प्रचार-प्रसार एवं अभ्यास करना-करवाना, परिणीत दंपती को गर्भाधान संस्कार की सबसे महत्त्वपूर्ण भूमिका से अवगत करवाना, और मूल्यनिष्ठ शिक्षण द्वारा शिशुओं का सर्वांगी विकास करने हेतु माता-पिता को मार्गदर्शित करना है । संस्कृत विभाग कौटुम्बिक बंधन की एवं संबंधो की भारतीय परंपरा को पुन: जागृत करना चाहता है। प्रत्येक बालक दादा-दादी के निर्व्याज प्रेम और परवरिश में सुचारु रूप से विकसित होता है । इस विभाग का ध्येय 'तपोवन केन्द्र', 'दाम्पत्य शिक्षण' और 'परिवार प्रबोधन' द्वारा शिशु का सर्वांगीण विकास करना है ।

संस्कृत विभाग की विशेषताए

- अनुस्नातक विभाग में संस्कृत(गर्भसंस्कार) विषय का विशिष्ट अभ्यास कराया जा रहा है ।
- संस्कृत भाषा के मूल्यवान एवं नीतिगत बोध देते हुए गर्भसंस्कार एवं बालसंस्कार के विषयों को पीएच.डी. के संशोधक्षेत्र में समाविष्ट किया जा रहा है ।
- हर वर्ष जून मास से 'संस्कृत संभाषण' और भाषा-संवर्धन के छ: महिने का प्रमाणपत्रीय अभ्यासक्रम चलाया जा रहा है ।
- श्रीमद् भगवद् गीता में शांति प्रबंधन का प्रमाणपत्रीय अभ्यासक्रम चलाया जाता है ।
- संस्कृत के स्तोत्र और गीतों को ध्वनि-श्रवण माध्यम से प्रसारित किया जाएगा ।
- संस्कृत कथासाहित्य की सचित्र लघु-कथा के पुस्तक, गीत आदि को संस्कृत भाषा में प्रकाशित किया जाएगा ।
- प्रशिष्ट संस्कृत साहित्य के दुर्लभ पुस्तकों का संपादन एवं पुन: प्रकाशन किया जाएगा ।
- नीतिशतक आधारित मूल्यशिक्षण का षण्मासिक अभ्यासक्रम चलाया जा रहा है ।